University in News on 01 February 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

शोध मेधा छात्रवृत्ति के 18 चयनितों को मिले प्रमाणपत्र

संवाद न्यूज ऐजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए चयनित 18 मेधावियों को कुलपति प्रो. आलोक राय ने प्रमाणपत्र दिए।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विवि की इस पहल में विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शोध के लिए वित्तीय मदद दी जाती है।

सभी चयनितों को अगले तीन वर्ष तक हर महीने पांच हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। कला संकाय से सौम्या तिवारी, नीलू, स्नेहा वर्मा, सुप्रिया सिंह, अदिति जायसवाल, शालिनी सिंह और शिक्षाशास्त्र से गरिमा सिंह, सना नाहिद व कविता शर्मा को छात्रवृत्ति दी गई।

तीन वर्ष तक हर महीने पांच हजार रुपये की मिलेगी छात्रवृत्ति

- ब्रोशर का किया अनावरण : कुलपति ने सेंट्रल प्लेसमेंट सेल 2025 के ब्रोशर का अनावरण किया। उन्होंने उद्योग और अकादमिक जगत के बीच मजबूत सहयोग की बात कही। सीपीसी के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि ब्रोशर विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

विज्ञान संकाय से मानसी सिंह, जेबा किदवई, कृति जायसवाल, शालिनी जायसवाल, रिंनी यादव, कोमल अवस्थी, शमा बानो, ममता पाल और मोनिका यादव का नाम शामिल है।

विधि के विद्यार्थी हर साल करेंगे इंटर्नशिप

लखनऊ। लविवि व सहयुक्त महाविद्यालयों में विधि के सभी विद्यार्थी अब हर साल इंटर्नशिप करेंगे। चार सप्ताह की यह इंटर्नशिप उनके पाठ्यक्रम का हिस्सा मानी जाएगी।

विद्यार्थी अपने कोर्स के हिसाब से इंटर्नशिप करना सुनिश्चित करें। विधि संकाय के डीन प्रो. वंशीधर सिंह ने पत्र जारी कर इसके निर्देश दिए। कहा गया कि सत्र 2024-25 में एलएलबी तीन वर्ष व पांच वर्ष कोर्स में दाखिला लेने वाले सभी विद्यार्थियों को हर वर्ष इंटर्नशिप करनी होगी, जो अनिवार्य होगी।

तीन वर्ष के विद्यार्थी तीन, जबकि पांच वर्ष वाले विद्यार्थी पांच इंटर्नशिप करेंगे। पहले वर्ष के विद्यार्थी अपनी इंटर्नशिप करना सुनिश्चित करें। छात्र इसकी फाइल बनाएं और प्रमाणपत्र संभालकर रखें। इनका मूल्यांकन अंतिम सेमेस्टर में किया जाएगा। (संवाद)

लविवि की शोध छात्रा शिवांगी को मिली लौरा बस्सी छात्रवृत्ति

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जैव रसायन विभाग की शोध छात्रा शिवांगी दुबे का लौरा बस्सी छात्रवृत्ति के लिए चयन हुआ है। शीतकालीन सत्र 2024 पुरस्कार के रूप में उन्हें एक हजार डॉलर (86,602 रुपये) मिलेंगे।

शिवांगी दुबे

विश्व भर से इस छात्रवृत्ति के लिए एक हजार आवेदन आए थे। इनमें से 14 उम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिली है। दो पुरस्कार विजेता भारत से हैं, जिनमें से एक शिवांगी हैं। यह छात्रवृत्ति 2018 में उन स्नातकोत्तर और जूनियर शिक्षाविदों को संपादकीय सहायता देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, जिनका शोध अध्ययन के उपेक्षित विषयों पर केंद्रित है। छात्रवृत्ति हर विषय के लिए खुली है और प्रति वर्ष तीन बार दी जाती है। कुलपति प्रो. आलोक राय ने शिवांगी को शुभकामनाएं दी हैं।

इनाम में मिलेंगे एक हजार डॉलर

- कौन हैं लौरा बस्सी : लौरा बस्सी (वर्ष 1711-1778) यूरोप में प्रोफेसर बनने वाली पहली और डॉक्टरेट की उपाधि पाने वाली दूसरी महिला थीं। उन्होंने इटली के बोलोग्ना विवि में प्रोफेसरों के समक्ष 49 शोध प्रबंधों के साथ 21 साल की उम्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।

HINDUSTAN PAGE 7

प्लेसमेंट सेल के ब्रोशर का विमोचन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन कक्ष में सेंट्रल प्लेसमेंट सेल 2025 के प्लेसमेंट ब्रोशर का विमोचन कार्यक्रम हुआ। जिसे कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विमोचित किया। सीपीसी के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि प्लेसमेंट ब्रोशर भर्तीकर्ताओं और छात्रों के लिए विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना समेत अन्य मौजूद रहे।

एलयू के 18 मेधावियों को शोध मेधा छात्रवृत्ति मिली

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन हॉल में शैक्षिक सत्र 2024-25 शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए चयनित 18 मेधावियों को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रमाण पत्र वितरित किए। कुलपति ने कहा कि यह छात्रवृत्ति शोध कार्य की प्रगति के लिए एलयू में शोधरत मेधावी छात्राओं को पांच हजार रुपए प्रतिमाह अधिकतम तीन वर्षों के लिए दी जाती है।

i-NEXT PAGE 4

मिली लॉरा बासी स्कॉलरशिप

LUCKNOW (31 Jan): लखनऊ यूनिवर्सिटी में बायोकेमिस्ट्री डिपार्टमेंट की पीएचडी स्कॉलर शिवांगी दुबे को लॉरा बासी स्कॉलरशिप के लिए चुना गया है. जिसके तहत शिवांगी को रिसर्च के लिए एक हजार यूएस डॉलर की स्कॉलरशिप दी जाएगी. शिवांगी बायोकेमिस्ट्री डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा के साथ मिलकर टीएनबीसी (ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर) को लेकर रिसर्च कर रही हैं.

PIONEER PAGE 3

एलयू की शोध छात्रा शिवांगी दुबे को मिली लॉरा बासी छात्रवृत्ति

लखनऊ। लविवि के जैवरसायन विभाग की पीएचडी स्कॉलर शिवांगी दुबे को लॉरा बासी छात्रवृत्ति शीतकालीन 2024 सत्र पुरस्कार के लिए चुना गया है। पुरस्कार स्वरूप उन्हें एक हजार अमरीकी डालर की संपादकीय सहायता दी जाएगी। लॉरा बासी छात्रवृत्ति के लिए दुनिया भर में लगभग एक हजार आवेदन प्रस्तुत किए गए थे, जिनमें से केवल 14 उम्मीदवारों को दुनिया भर में फेलोशिप प्रदान की गई थी। उनमें से केवल 2 पुरस्कार विजेता भारत से हैं। लॉरा बासी छात्रवृत्ति की स्थापना 2018 में स्नातकोत्तर और जूनियर शिक्षाविदों को संपादकीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी, जिनका शोध अध्ययन के उपेक्षित विषयों पर केंद्रित है। छात्रवृत्ति हर विषय के लिए खुली है और प्रति वर्ष तीन बार प्रदान की जाती है। लौरा बस्सी (1711–1778) यूरोप में प्रोफेसर बनने वाली पहली और डॉक्टरेट की उपाधि पाने वाली दूसरी महिला थीं। उन्होंने इटली के बोलोग्ना विश्वविद्यालय में प्रोफेसरों के समक्ष 49 शोध प्रबंधों के साथ 21 साल की उम्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। लौरा बस्सी के जीवन ने शोध में हजारों महिलाओं को प्रेरित किया है और इस प्रकार अनुसंधान के दायरे को बढ़ाने वाली नींव रखी। लौरा बासी फाउंडेशन ने शोध में हजारों महिलाओं को प्रेरित किया है और शोध का दायरा बढ़ाया है।

THE PIONEER PAGE 3

LU PhD scholar selected for Laura Bassi Scholarship

Lucknow (PNS): Shivangee Dubey, a PhD scholar from the biochemistry Department Lucknow University, has been selected for the Laura Bassi Scholarship for the Winter 2024 session.

As part of the award, she will receive editorial editing assistance worth USD 1,000.

"A total of about 1,000 applications were submitted worldwide for the Laura Bassi Scholarship, and only 14 candidates were selected as awardees. Among them, Shivangee is one of just two awardees from India. The Laura Bassi Scholarship, established in 2018, aims to provide editorial assistance to postgraduates and junior academics whose research focuses on neglected topics within their disciplines. The scholarships are awarded three times a year. Laura Bassi (1711-1778) was the first woman to hold a professorship in Europe and the second woman to earn a doctorate," LU spokesperson Durgesh Srivastava said.

Shivangee is pursuing PhD under the guidance of Prof Siddhartha Mishra. Her research focuses on cancer biology and therapy, particularly in cancer bioinformatics and drug discovery.

"She is addressing the critical challenges in managing triple-negative breast cancer (TNBC), a subtype of breast cancer that is difficult to treat and causes high mortality in women. The prevalence of TNBC in India is around 30% of all breast cancer cases, higher than the global average of 25%. TNBC is difficult to diagnose and requires specific therapies. Shivangee's study aims to identify TNBC-specific hub genes and pathways to better understand the molecular mechanisms using bioinformatics and in-silico computational biology. Several hub genes contributing to the progression of breast cancer have already been identified," Mishra explained.

He also noted that the study explores natural flavonoids as potential therapeutic agents, introducing a novel herbal-based approach to TNBC treatment. "This could help enhance the efficacy of chemotherapy while reducing its side effects," he said.

Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai congratulated Shivangee on the award and encouraged her to continue her impactful research.

JAGRAN CITY PAGE III

शोधार्थियों को मिला शोध मेधा छात्रवृत्ति का प्रमाण पत्र

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन हाल में शुक्रवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सत्र 2024-25 की शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए चयनित शोधार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया। इनमें सौम्या तिवारी, नीलू, गरिमा सिंह, सना नाहिद, कविता शर्मा, स्नेहा वर्मा, सुप्रिया सिंह, अदिति सिंह, अदिति जायसवाल, शालिनी सिंह, मानसी सिंह, जेबा किदवई, कीर्ति जायसवाल, शालिनी, रानी यादव, कोमल, शमा बानो, ममता पाल व मोनिका यादव सहित 18 मेधावी छात्राएं शामिल हैं। इस योजना के तहत लविवि अपनी शोधरत मेधावी छात्राओं को पांच हजार रुपये प्रतिमाह अधिकतम तीन वर्षों के लिए संतोषजनक शोध कार्य की प्रगति के लिए देता है। प्रमाण पत्र वितरण समारोह में प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. वीके शर्मा, डीन रिसर्च प्रो. एमएम वर्मा, डीन अकादमिक प्रो. गीतांजली मिश्र, डायरेक्टर सांस्कृतिकी प्रो. अंचल श्रीवास्तव, प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव व कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी उपस्थित रहे।

सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के ब्रोशर का विमोचन : लखनऊ विश्वविद्यालय के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल ने 2025 के लिए शुक्रवार को अपना प्लेसमेंट ब्रोशर जारी किया। इसका औपचारिक विमोचन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने परिसर में आयोजित एक विशेष समारोह में किया। इस अवसर पर प्लेसमेंट सेल के निदेशक सीपीसी के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय, प्रो-वाइस चांसलर प्रो. मनुका खन्ना सहित अन्य प्रमुख शिक्षक उपस्थित रहे। निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने कहा कि 2025 का प्लेसमेंट सत्र पिछले वर्षों की सफलताओं को पार करेगा। उन्होंने छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय के सुदृढ़ प्लेसमेंट नेटवर्क और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

शिवांगी दुबे को मिलेगी लारा बासी छात्रवृत्ति

शिवांगी दुबे ● लवि

जासं ● लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के जैव रसायन विभाग की पीएचडी शोधार्थी शिवांगी दुबे को लारा बासी छात्रवृत्ति शीतकालीन 2024 सत्र पुरस्कार के लिए चुना गया है। पुरस्कार स्वरूप उन्हें एक हजार अमरीकी डालर की संपादकीय सहायता दी जाएगी। लारा बासी छात्रवृत्ति के लिए दुनिया भर में लगभग एक हजार आवेदन प्रस्तुत किए गए थे, जिनमें से 14 को फेलोशिप प्रदान की गई थी। उनमें से सिर्फ दो पुरस्कार विजेता भारत से हैं।

शोधार्थी शिवांगी जैव रसायन विभाग में प्रोफेसर सिद्धार्थ मिश्र के स्वप्न कैंसर जीव विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान देने वाले एक प्रोजेक्ट पर पीएच.डी कर रही हैं। वह कैंसर जैव सूचना विज्ञान और दवा अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं। ट्रिपल-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर (टीएनबीसी) स्तन कैंसर का एक उपप्रकार है जिसका इलाज करना मुश्किल है। महिलाओं में उच्च मृत्यु दर का कारण बनता है। शिवांगी इसके निदान एवं प्रबंधन में महत्वपूर्ण शोध चुनौतियों का समाधान कर रही हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शोध छात्र शिवांगी दुबे को लारा बासी छात्रवृत्ति के लिए बधाई दी।

छात्रवृत्ति के अग्रसारित आवेदन पत्रों की सूची जारी

जासं ● लखनऊ : लवि ने दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन करने वाले परिसर के पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं की अग्रसारित आवेदन पत्रों की सूची जारी कर दी है।

कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने कहा है कि ओबीसी वर्ग के जिन विद्यार्थियों ने छात्रवृत्ति का आवेदन फार्म सभी अभिलेखों संग कैशियर कार्यालय में जमा कर पावती रसीद प्राप्त कर ली है, ये सभी जारी अग्रसारित आवेदन पत्र की सूची में अपना विवरण देख लें। अग्रसारित विवरण सूची में नाम, पंजीकरण संख्या यदि नहीं अंकित है तो दो फरवरी तक कुलसचिव कार्यालय के छात्रवृत्ति अनुभाग में संपर्क कर आपना आवेदन पत्र अग्रसारित करवाना सुनिश्चित कर लें, अन्यथा उसकी जिम्मेदारी छात्र-छात्रा की होगी। वहीं, ओबीसी वर्ग के 500 विद्यार्थी ऐसे हैं, जिन्होंने अंतिम रूप से आवेदन पत्र जमा नहीं किया है। ऐसे विद्यार्थियों को दो फरवरी को शाम पांच बजे तक का समय दिया गया है। सूची कैशियर कार्यालय के बाहर चस्पा कर दी गई है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

सेंट्रल प्लेसमेंट सेल ब्रोशर 2025 का विमोचन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल ने 2025 के लिए अपना प्लेसमेंट ब्रोशर जारी किया। जो छात्रों के करियर विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। ब्रोशर का औपचारिक विमोचन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विशेष समारोह में किया।

इस अवसर पर सीपीसी के निदेशक, प्रो-वाइस चांसलर प्रो. मनुका खन्ना, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. वी. के. शर्मा, डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा, निदेशक आईपीपीआर प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, तथा सीपीसी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शोध मेधा छात्रवृत्ति का प्रमाण पत्र दिया गया

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सत्र 2024–25 के लिए शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए चयनित शोधार्थियों को प्रमाण–पत्र वितरित किया। जिसमें विभिन्न विभागों एवं संकायों से कुल 18 मेधावियों को प्रमाण पत्र दिया गया।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा में चार विषयों का परिणाम घोषित

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2024–25 में पीएचडी प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के बाद कॉमर्स, शिक्षा शास्त्र, विधि और समाजशास्त्र के लिए परिणाम जारी कर दिया है। चयनित छात्र अपनी लॉगिन आईडी का प्रयोग करके 3 फरवरी तक अपना शुल्क जमा कर सकते हैं।

19 से 28 फरवरी तक होगा इंटर हॉस्टल कंपटीशन

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में इंटर हॉस्टल प्रतियोगिता का आयोजन 19 फरवरी से 28 फरवरी के बीच में किया गया है। छात्र–छात्राओं के बीच में अलग–अलग समूह बनाए गए हैं जिसमें खेलकूद सांस्कृतिक कार्यक्रम और शैक्षिक कार्यक्रमों को शामिल किया गया है।

शिवांगी दूबे का लॉरा बासी छात्रवृत्ति के लिए चयन

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के जैवरसायन विभाग की शोध छात्रा शिवांगी दूबे को लॉरा बासी छात्रवृत्ति के लिए चयनित किया गया है। लॉरा बासी छात्रवृत्ति शीतकालीन 2024 सत्र के लिए उन्हें एक हजार अमरीकी डालर की संपादकीय सहायता दी जाएगी। इस छात्रवृत्ति के लिए दुनिया भर में लगभग एक हजार आवेदन प्रस्तुत किए गए थे, जिनमें से केवल 14 उम्मीदवारों को दुनिया भर में फेलोशिप प्रदान की गई थी। उनमें से केवल 2 पुरस्कार विजेता भारत से हैं। लॉरा बासी छात्रवृत्ति की स्थापना 2018 में स्नातकोत्तर और जूनियर शिक्षाविदों को संपादकीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी, जिनका शोध अध्ययन के उपेक्षित विषयों पर केंद्रित है। छात्रवृत्ति हर विषय के लिए खुली है और प्रति वर्ष तीन बार प्रदान की जाती है।

शोध मेधा छात्रवृत्ति के शोधार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन सभागार में कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने सत्र 2024-25 के लिए शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए चयनित शोधार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। जिसमें विभिन्न विभागों एवं संकायों से कुल 18 मेधावियों को प्रमाण पत्र दिया गया। यह छात्रवृत्ति लविवि में शोधरत मेधावी छात्राओं को 5000 रूपया प्रतिमाह, अधिकतम तीन वर्षों के लिए संतोषजनक शोध कार्य की प्रगति के लिए दिया जाता है। प्रमाण पत्र वितरण समारोह में प्रति कुलपति प्रो.मनुका खन्ना, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो.वीके शर्मा, डीन रिसर्च प्रो.एमएम वर्मा, डीन अकादमिक प्रो.गीतांजली मिश्रा, डायरेक्टर प्लेसमेंट सेल प्रो.अनूप कुमार भारती, चीफ प्रोक्टोस्ट प्रो.अनूप कुमार सिंह, डायरेक्टर सांस्कृतिकी प्रो.अंचल श्रीवास्तव, डायरेक्टर आईपीपीआर प्रो.दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव, कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी एवं डीएसडब्ल्यू टीम के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

उद्योग व अकादमिक जगत के बीच मजबूत सहयोग पर जोर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल ने 2025 के लिए अपना प्लेसमेंट ब्रोशर जारी किया, जो छात्रों के करियर विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। ब्रोशर का औपचारिक विमोचन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित एक विशेष समारोह में किया। इस अवसर पर सीपीसी के निदेशक, प्रो-वाइस चांसलर प्रो. मनुका खन्ना, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. वी. के. शर्मा, डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा, निदेशक आईपीपीआर प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, तथा सीपीसी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रों को पेशेवर सफलता के लिए आवश्यक कौशल और अवसरों से सशक्त बनाने की विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

LOKSATYA PAGE 3

एलयू सेंट्रल प्लेसमेंट सेल ने अपना ब्रॉशर किया लांच

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल (CPC) ने 2025 के लिए अपना प्लेसमेंट ब्रोशर जारी किया, जो छात्रों के करियर विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। ब्रोशर का औपचारिक विमोचन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित एक विशेष समारोह में किया।

इस अवसर पर सीपीसी के निदेशक, प्रो-वाइस चांसलर प्रो. मनुका खन्ना, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. वी. के. शर्मा, डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा, निदेशक आईपीपीआर प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, तथा सीपीसी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रों को पेशेवर सफलता के लिए आवश्यक कौशल और अवसरों से सशक्त बनाने की विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

TOI PAGE 2

LU scholar bags int'l scholarship

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Shivangee Dubey, a PhD scholar in the department of biochemistry at Lucknow University, has been awarded the prestigious Laura Bassi Scholarship for the Winter 2024 session. She is one of the 14 scholars worldwide and among just two from India to receive this recognition, which provides her with editorial editing assistance worth 1,000 US dollars. Shivangee is conducting her doctoral research in cancer biology and therapeutics, specifically focusing on Triple-Negative Breast Cancer (TNBC)— a highly aggressive form of breast cancer that accounts for nearly 30% of cases in India and lacks targeted treatment options. Her research integrates bioinformatics and computational biology to identify TNBC-specific hub genes and pathways, advancing the understanding of its molecular mechanisms.

"I sincerely thank my teacher Siddharta Mishra sir and my family for their unwavering support." said Dubey.